दिनांक 09/06/2022

प्रकाशनार्थ

निर्धन परिवार से होने बाद भी बिरसा मुंडा ने अपने आत्मबल से शिक्षा हासिल की।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के आवासीय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत जनजातीय आंदोलन के जननायक के रूप में बिरसा मुंडा का योगदान विषय पर आनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया ।

जिसमें मुख्य वक्ता डॉ नीतू सिंह एसोसिएट प्रोफेसर लखनऊ यूनिवर्सिटी ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा अत्यंत गरीब परिवार से होने के बाद भी बिरसा मुंडा जी ने अपने आत्म बल के आधार पर अच्छी शिक्षा प्राप्त की और उस शिक्षा का उपयोग जनजातीय समूह के विकास में किया। प्राकृतिक संसाधनों के माध्यम से जनजातीय समूह को आजादी की लड़ाई लड़ने की प्रेरणा प्रदान किया जिसका लाभ स्वतंत्रता के रूप में मिला। बिरसा मुंडा जी ने नारा दिया था की "हमारा देश हमारा राज"। जिससे सभी आदिवासी बिरसा मुंडा के नेतृत्व में अंग्रेजों के शोषण के खिलाफ खड़े हो गए। "

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो शोभा गौड़ ने कहा एवं वनवासी समाज के महानायक, अरण्य संस्कृति के उपासक,स्वतंत्रता और संस्कृति के संरक्षण के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले भगवान बिरसा मुंडा जी की पुण्यतिथि पर नमन करते हुए कहा बिरसा मुण्डा का जन्म 15 नवम्बर 1875 के दशक में गरीब किसान परिवार में हुआ था। मुण्डा एक जनजातीय समूह था जो छोटा नागपुर पठार, (झारखण्ड) का निवासी था । बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार की शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी और उलगुलान (क्रांति) का आह्वान करते हुए ब्रिटिश दमन के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व किया । मुंडा ने आदिवासियों का नेतृत्व अनिवार्य रूप से गैर–आदिवासियों द्वारा उनकी भूमि पर बंधुआ मजदूर के रूप में समाप्त होने वाली भूमि को हथियाने से रोकने के लिए किया।1900 में आदिवासी लोगों को संगठित देखकर ब्रिटिश सरकार द्वारा उन्हें गिरफ्तार कर 2 वर्ष का दण्ड दिया गया। कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम संयोजिका डॉ मीतू सिंह सहायक आचार्य शिक्षाशास्त्र विभाग ने किया और कहा आइए बिरसा मुंडा के अधूरे कार्य को पूर्ण करने,राष्ट्र एवं राष्ट्रीयता के सतत विकास हेतु जनमानस को जागरूक करने का हम सभी मिलकर संकल्प लें। कार्यक्रम के अंत में क्रमशः सभी अतिथियों कर्मचारियों,वालेंटियर्स को कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने में सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के वालंटियर ऋषि कुमार ने बिरसा मुंडा जी के बारे में कहा कि क्रांतिकारी बिरसा का अंग्रेजी के खिलाफ नारा था श्रानी का शासन खत्म करो और हमारा साम्राज्य स्थापित करो।श कार्यक्रम में सभी छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया और अपना अपना विचार व्यक्त किया जिसमें मनीष मौर्य आदर्श मिश्रा, बंदना आकाश, कमलेश,राजू मौर्या,विनीत सिंह,बालेंदु यादव। राष्ट्र गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

Media and Public Relations Officer
Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur
University, Gorakhpur